राजस्थान पुलिस अकादमी तथा टाटा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में Rajasthan Priorities – Sector Consultation on Crime & Violence पर आयोजित हुई कार्यशाला

राजस्थान पुलिस अकादमी द्वारा प्रशिक्षण एवं सामाजिक सरोकार के संबंध में यूनिसेफ, यंग इण्डियन्स, सीडब्ल्यूईआई जैसे विभिन्न संस्थानों से की जा रही साझेदारी में **''टाटा ट्रस्ट''** का एक ओर नाम जुडा है। राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 04 अक्टूबर को टाटा ट्रस्ट व अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में Rajasthan Priorities – Sector Consultation on Crime & Violence कार्यशाला आयोजित की गई। इस परामर्शी कार्यशाला में विभिन्न क्षेत्रों से जुडी 40 से ज्यादा ख्यातनाम हस्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक श्री राजीव दासोत ने मुख्य अतिथि श्री ओमेन्द्र भारद्वाज, सेवानिवृत्त महानिदेशक पुलिस व टाटा ट्रस्ट की Policy & Advocacy Manager पूजा पार्वती व उनकी टीम का स्वागत करते हुए टाटा ट्रस्ट द्वारा राजस्थान में अपराध एवं हिंसा के कारणों को जानने तथा इस दिशा में काम करने की टाटा ट्रस्ट की पहल का स्वागत किया तथा राजस्थान पुलिस अकादमी को इस कार्य में अपना भागीदार बनाने पर आभार प्रकट किया।

टाटा ट्रस्ट की ओर से पूजा पार्वती, श्री कुलदीप सिंह तथा स्टेफी इटोलिया ने ट्रस्ट की ओर से संचालित की जा रही गतिविधियों तथा इस दिशा में किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी दी। Rajasthan Priorities – Sector Consultation on Crime & Violence के बारे में जानकारी देते हुए श्री कुलदीप सिंह ने बताया कि

विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से अपराध व हिंसा के कारणों को जानने तथा उनके सुझावों के आधार पर कार्य करने के ट्रस्ट के उद्‌देश्यों के बारे में बताया।

मुख्य अतिथि श्री ओमेन्द्र भारद्वाज, सेवानिवृत्त महानिदेशक पुलिस ने सम्पूर्ण कार्यक्रम को एक अनोखी पहल बताते हुए सभी विशेषज्ञों से अपने अपने विचार साझा करने का आह्वान किया।

कार्यशाला में उपस्थित सेवारत तथा सेवानिवृत्त पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों, अभियोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों, एचसीएम रीपा के अधिकारियों, सामाजिक संगठनों यथा यूनिसेफ, सेव द चिल्ड्रन, यंग इंडियन्स, सहायता, फिक्की फ्लो, दिशा, आईआईएस विश्वविधालय, सीएचआरआई, अरावली, शिव शिक्षा समिति, रुवा, पीयूसीएल, यूएनएफपीए आदि से जुडी ख्यातनाम हस्तियों, मीडिया के प्रतिनिधियों तथा राजस्थान पुलिस अकादमी के प्रशिक्षकों ने भी अपने अपने विचार रखे।

श्री भारद्वाज ने सभी वक्ताओं के विचार सुनने के पश्चात् कार्यशाला के सारांश के रुप में महिलाओं, बच्चों तथा समाज के कमजोर वर्ग के प्रति पुलिस व सामाजिक संस्थानों को कार्य करने की आवश्यकता तथा पुलिस को संवेदनशील बनाने तथा सामाजिक जागरुकता का प्रसार करने के लिए टाटा ट्रस्ट जैसे संगठनों को कार्य करने की दिशा में पहल करने की आवश्यकता बताई। उन्होने ट्रस्ट के पदाधिकारियों को चुने हुए मुद्‌दों पर कार्य करने तथा इस संबंध में पुलिस के साथ भागीदारी कर अपराध व हिंसा रोकने मे अपना योगदान देने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के अंत में टाटा ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया।